an>

Title: Need to set up a Divisional Office of LIC of India at Dhanbad, Jharkhand.

श्री पशुपति नाथ सिंह (धनबाद) ः वर्ष 1986 में भारतीय जीवन बीमा निगम का मण्डलीय कार्यालय धनबाद में केंद्र सरकार द्वारा खोला जाना था। परन्तु उस समय के तत्कालीन मुख्यमंत्री की तरफ से सहमति न मिल पाने के कारण यह मण्डलीय कार्यालय धनबाद में न खुलकर भागलपुर में स्थापित कर दिया गया था। पुनः वर्ष 1991 में धनबाद को फिर मौका प्राप्त हुआ परन्तु किन्ही कारणों के चलते भारतीय जीवन बीमा निगम के मण्डलीय कार्यालय को हजारीबाग में स्थापित कर दिया गया। सर्वगुण सम्पन्न होने के बावजूद धनबाद में आज तक एल.आई.सी. का मण्डलीय कार्यालय नहीं खोला गया है। धनबाद भारतीय जीवन बीमा निगम के मण्डल कार्यालय के लिए सभी शर्तों को पूरा करता है। हजारीबाग मण्डल कार्यालय की 18 शाखाओं में से 13 शाखाएं धनबाद तथा धनबाद के आस-पास है। हजारीबाग मण्डल कार्यालय धनबाद से 130 कि.मी. की दूरी पर है, जिसके कारण कर्मचारी, अभिकर्ता और पॉलिसीधारकों को कई दिक्कतें होती हैं। वहीं धनबाद के विकास के लिए बी.सी.सी.एल. का मुख्यालय, बैंकों का क्षेत्रीय कार्यालय, विज्ञान अनुसंधान यूनिट तथा आई.एस.एम. जिसको अभी हाल ही में केंद्र सरकार से आई.आई.टी. का दर्जा प्राप्त हुआ है, साथ ही भारतीय जीवन बीमा निगम का हाउसिंग फाइनेंस लि. का क्षेत्रीय कार्यालय जैसे संस्थान तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यालय वर्तमान में संचालित हो रहे हैं।

अतः मैं माननीय वित्त मंत्री जी से आग्रह करता हूं कि मेरे संसदीय क्षेत्र धनबाद में भी भारतीय जीवन बीमा निगम के मण्डलीय कार्यालय खोले जाने की अनुमति दी जाये , जिससे धनबाद लोक सभा की जनता के साथ-साथ आस-पास के अन्य कई जिलों की जनता को भी लाभान्वित किया जा सके तथा धनबाद के विकास में सहायक सिद्ध हो सके।